विद्यापीठ में 'पाषाणकला' पर अध्ययन पुरातन शिल्प के जतन पर रहेगा जोर

विद्यापीठ और आईजीएनएसी में करार

भास्कर प्रतिनिधि | नागपुर. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विद्यापीठ में अब विद्यार्थी पाषाण कला का अध्ययन कर सकेंगे। नागपुर विद्यापीठ ने दिल्ली की इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (आईजीएनएसी) के साथ मंगलवार को करार किया गया है। करार के मुताबिक अब विद्यापीठ में 'मल्टीडिसिप्लिनरी डॉक्यूमेंटेशन ऑफ रॉक आर्ट एंड इट्स एलिड सब्जेक्ट इन महाराष्ट्र' विषय पर अध्ययन होगा। इसमें महाराष्ट्र के पाषाण शिल्प और उसके जतन संबंधी विषयों का विद्यार्थी अध्ययन कर सकेंगे। आईजीएनएसी प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. बी.एल. मल्ला, सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, विद्यापीठ कुलगुरु डॉ. सिद्धार्थ विनायक काणे, कुलसचिव पूरणचंद्र मेश्राम की उपस्थिति में यह करार हुआ।

स्वस्थ सांस्कृतिक बहस को मिलेगी संजीवनी

स्वस्थ सांस्कृतिक बहस विकास के प्रवाह में खो गई है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला संगठन, नई दिल्ली की सांस्कृतिक संवाद श्रृंखला इसे जीवित करने में संजीवनी साबित होगी। संगठन के संचालक डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने मंगलवार को पत्रकारों से यह विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति केंद्रीत तथा सांस्कृतिक चर्चा का यह प्रभावी माध्यम है। भारतीय समाज क्रियाशील रहा है। भारतीय समाज व्यवस्था में विविधता है। इसमें संवाद साधने की आवश्यकता है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला संगठन इस दिशा में प्रयास कर रहा है। राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के साथ रॉक आर्ट पर हुए सामंजस्य करार से इन प्रयासों को बढ़ावा मिलने का पूरा विश्वास है। इस अवसर पर तिलक पत्रकार ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रदीप मैत्र, नागपुर श्रमिक पत्रकार संघ के महासचिव शिरीष बोरकर उपस्थित थे।